

विशेष रिपोर्ट

मसाले

अप्रैल 2022

11 अप्रैल 2022



हल्दी

महत्वपूर्ण कारक

- घरेलू मसाला उद्योगों और स्टॉकिस्टों की ओर से मांग
- देश में हल्दी की बुआई की स्थिति
- मध्य-पूर्व और बांग्लादेश से निर्यात मांग
- अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें
- किसानों और व्यापारियों के पास स्टॉक की स्थिति
- हाजिर बाजार जैसे निजामाबाद, सांगली आदि में आवक

हल्दी वायदा का साप्ताहिक चार्ट



Source: Reuters & SMC Research

फंडामेंटल:

- मार्च 2022 में, हल्दी की कीमतों में लगातार दूसरे महीने गिरावट हुई है और 6% से अधिक की गिरावट के साथ बंद हुई है। यह जनवरी 2022 में 11148 के सर्वकालिक उच्च स्तर को छूने के बाद से अब तक 12% से अधिक की गिरावट हुई है क्योंकि अधिकतम आवक और अपेक्षित निर्यात मात्रा से कम होने से कीमतों पर दबाव पड़ा है। एनसीडीईएक्स में सबसे सक्रिय अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट मार्च में लगभग 6.2% फिसलकर 8772 के स्तर पर बंद हुआ और पिछले साल के समान स्तर पर कारोबार हुआ।
- सांगली और नांदेड़ के मुख्यबाजारों में हल्दी की आवक लगभग 15000-16000 बोरी है जबकि निजामाबाद में आवक लगभग 14000-15000 बैग रही है जो पिछले वर्ष की आवक से अधिक है। अभी भी किसान अपनी फसल को कीमतों में वृद्धि की उम्मीद में रख रहे हैं क्योंकि नई फसल में लगभग 10 महीने की देरी है।
- 2021/22 सीजन के लिए सरकार के पहले अग्रिम अनुमानों के अनुसार, 2021-22 में हल्दी का उत्पादन 11.76 लाख टन होने का अनुमान है, जबकि 2020-21 में 11.24 लाख टन हुआ था। आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, उड़ीसा, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, गुजरात, मेघालय, महाराष्ट्र, असम कुछ महत्वपूर्ण राज्य हैं जो हल्दी की खेती करते हैं, जिनमें से अकेले आंध्र प्रदेश में 35.0% क्षेत्र और 47.0% उत्पादन होता है।
- सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2021/22 के पहले 10 महीनों (अप्रैल-जनवरी) में, निर्यात पिछले साल की तुलना में 15.5% घटकर 1,53,574 टन हो गया, लेकिन 5 साल के औसत की तुलना में 9.2% अधिक है। हल्दी का प्रमुख निर्यात गंतव्य बांग्लादेश, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात है। जनवरी 2022 में हल्दी का निर्यात वर्ष-दर-वर्ष 25% घटकर 10,600 टन रह गया, जो दिसंबर 2021 में 14275 टन के मुकाबले कम है। वित्त वर्ष 2021-22 में भारतीय हल्दी का निर्यात दुनिया के 140 से अधिक देशों में हुआ है।

आउटलुक

- हल्दी की वायदा कीमतों में आने वाले महीने में तेजी आने की संभावना है क्योंकि निर्यात मांग की उम्मीद में व्यापारियों की ओर सं खरीदारी बढ़ी है। सीजन की शुरुआत में हल्दी के कीमत अधिक होने के कारण ज्यादातर किसानों ने अपनी फसल हाजिर बाजार में बेच दी है। स्टॉकिस्टों की ओर से स्थानीय मांग अच्छी रही है, लेकिन इस सीजन में निर्यातकों का प्रदर्शन कम रहा है। मौसमी चार्ट के अनुसार, मार्च में हल्दी की कीमतों में अधिकतम आवक के मौसम के कारण गिरावट हुई है। अप्रैल और मई में कीमतों के कारोबार के घरेलू और निर्यात मांग पर निर्भर रहने की संभावना है। एनसीडीईएक्स हल्दी (मई) की कीमतें 8500 के स्तर पर सपोर्ट के साथ 10200 के स्तर तक कारोबार कर सकती हैं।

हल्दी का टेक्निकल स्तर

कॉन्ट्रैक्ट	स्टॉपलॉस 1	स्टॉपलॉस 2	मध्य	रेजिस्टेंस 1	रेजिस्टेंस 2
अप्रैल	7,620	8,145	8,922	9,450	10,226
मई	7,770	8,285	9,000	9,510	10,226

हल्दी वायदा कीमतों में मासिक बदलाव चार्ट (%)



हल्दी वायदा का मौसमी चार्ट



जीरा

महत्वपूर्ण कारक

- चालू वर्ष के लिए उत्पादन अनुमान
- भौतिक बाजारों में आवक की मात्रा
- किसानों और व्यापारियों के पास स्टॉक
- अप्रैल-मई में भारतीय जीरे की घरेलू और निर्यात मांग
- अन्य जीरा उत्पादक देशों में उत्पादन की संभावनाएं

जीरा वायदा का साप्ताहिक चार्ट

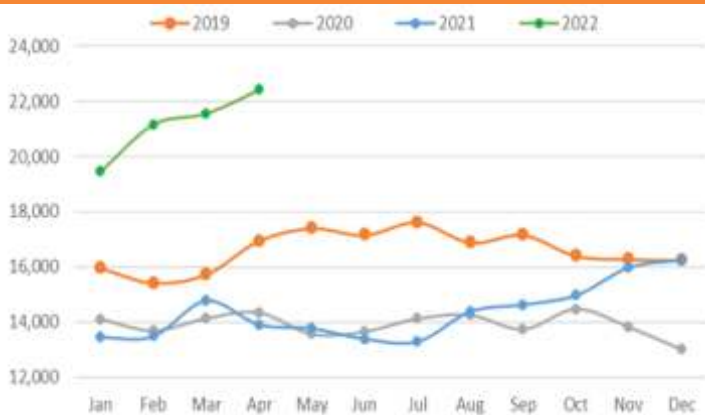


फंडामेंटल:

- एनसीडीईएक्स पर जीरा वायदा की कीमतें मार्च के दौरान ज्यादातर साइडवेज रही और लगभग 2% की तेजी के साथ 21550 के स्तर पर बंद हुईं। मार्च महीने में जीरा की कीमतों में रिकवरी हुई है, क्योंकि खरीदारी में सुधार हुआ है, क्योंकि कीमतें फरवरी में दर्ज 22,585 रू प्रति क्विंटल के उच्च स्तर से लगभग 6% फिसल गई थी।
- भौतिक मंडियों में जीरे की आवक पिछले साल की तुलना में इस सीजन में 45% अधिक कीमतों के बावजूद नहीं बढ़ी है। उझा में पुरानी और नई फसल की भौतिक आवक पिछले वर्ष लगभग 44000 बोरी की तुलना में प्रतिदिन लगभग 26000 बोरी (1 बैग=55 किलोग्राम) है। अभी तक गुजरात से सबसे कमजोर और मध्यम गुणवत्ता वाला जीरा बाजार में आया है क्योंकि किसानों और स्टॉकिस्टों ने सबसे अच्छी और उच्च गुणवत्ता वाले जीरे को रोक कर रखा है।
- नया सीजन शुरू होने के बाद से जीरे की कीमतों में तेजी का रुझान है, जिसके कारण मसाला उद्योगों द्वारा फरवरी-मार्च में जीरे की खरीद को टाल दिया गया जबकि पुराने स्टॉक भी जीरे की कीमत गिरने की प्रतीक्षा में उनके पास पड़े थे। घरेलू बाजार की तरह फरवरी-मार्च में जीरे की निर्यात मांग पिछले वर्ष की तुलना में केवल 20% थी। फरवरी-मार्च में जीरा निर्यात सामान्य से कम रहा क्योंकि विदेशी खरीदार रिकॉर्ड कीमतों पर जीरा खरीदने में दिलचस्पी नहीं ले रहे थे।
- सरकारी आंकड़ों के अनुसार जनवरी 2022 में जीरा का निर्यात वर्ष-दर-वर्ष 19% बढ़कर 14725 टन हो गया, जो दिसंबर 2021 में 12385 टन था। लेकिन अप्रैल-जनवरी में जीरा का निर्यात वर्ष-दर-वर्ष 23% घटकर 1.88 लाख टन रह गया है, जो पिछले वर्ष 2.44 लाख टन हुआ था। भारतीय जीरा के लिए प्रमुख निर्यात गंतव्य चीन, बांग्लादेश और अमेरिका हैं, जहां लगभग एक-तिहाई जीरा निर्यात होता है। 2021/22 के दौरान दुनिया के 151 देशों में जीरा का निर्यात किया जाता है।
- आउटलुक
- मुख्य रूप से निर्यात और घरेलू मांग में बढ़ोतरी के कारण आने वाले महीनों में जीरा वायदा कीमतों में तेजी आने की संभावना है। 2022 में, कीमतों में लगभग 38% की वृद्धि हुई है और कीमतें फरवरी 2022 में 22800 के अपने अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। मौसमी चार्ट के अनुसार, जीरा की कीमतों में सीजन के आगे बढ़ने से पहले अप्रैल के महीने में कुछ सुधार की उम्मीद होगी। इस सीजन में ज्यादातर किसानों ने अधिक कीमत के चलते अपनी फसल बेच दी है। जीरा (मई) वायदा की कीमतों को 21360 के स्तर पर अहम सपोर्ट प्राप्त है, जबकि रुझान अभी भी सकारात्मक दिख रहा है, किसानों के पास कम स्टॉक और निर्यात मांग में सुधार की उम्मीद पर कीमतें 23500-23700 के स्तर तक बढ़ सकती हैं।
- जीरा का टेक्निकल स्तर

कॉन्ट्रैक्ट	स्टॉपलॉस 1	स्टॉपलॉस 2	मध्य	रेजिस्टेंस 1	रेजिस्टेंस 1
अप्रैल	18,280	19,830	20,900	22,460	23,540
मई	18,500	20,060	21,130	22,690	23,770

जीरा वायदा की कीमतों में मासिक बदलाव चार्ट (%)



जीरा वायदा का मौसमी चार्ट



महत्वपूर्ण कारक

- किसानों और स्टॉकिस्टों के पास कम स्टॉक
- मसाला उद्योगों और स्टॉकिस्टों की ओर से मांग
- घरेलू मांग और निर्यात मांग
- किसानों और व्यापारियों द्वारा अपने स्टॉक को बाजार में लाया जाना
- गुजरात, मध्य प्रदेश और राजस्थान में हाजिर बाजार में आवक



फंडामेंटल:

- धनिया वायदा की कीमतों ने मार्च में लगातार छठे महीने तेजी के रूझान के साथ कारोबार किया है और लगातार अच्छी मांग के कारण लगभग 3% बढ़कर बंद हुई। | वर्तमान में कीमतें वर्ष-दर-वर्ष 66.6% अधिक हैं और जनवरी से 34% अधिक हैं क्योंकि क्योंकि किसान पिछले साल कम आमदनी के कारण अन्य फसलों में स्थानांतरित हो गए हैं और कम उत्पादन की उम्मीद कर रहे हैं जबकि अधिक कीमतों के कारण निर्यात सामान्य है।
- सरकार के पहले अग्रिम अनुमानों के अनुसार, 2021-22 में भारत में धनिया का उत्पादन 8.11 लाख टन होने का अनुमान है, जो 2020-21 के अंतिम उत्पादन अनुमान 8.91 लाख टन की तुलना में लगभग 9% कम है।
- वर्तमान समय में कीमतें पिछले साल की तुलना में अधिक हैं, इसलिए मसाला कंपनियों ने कीमतों में गिरावट का इंतजार किया लेकिन उन्हें कीमतों में जब कोई कमी नहीं दिखी तो उन्होंने अब अपनी खरीद शुरू कर दी।
- भारत सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2022 में धनिया का निर्यात वर्ष-दर-वर्ष 15% घटकर 3590 टन रह गया, जबकि सरकारी आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2021/22 (अप्रैल-जनवरी) की अवधि के दौरान निर्यात पिछले साल के 48,350 टन से 15% घटकर 41,100 टन हुआ है, लेकिन 5 साल के औसत की तुलना में 11% अधिक है।
- धनिया को मुख्य रूप से बांग्लादेश, नेपाल और संयुक्त अरब अमीरात को निर्यात किया जाता है, जिसमें इन दिशों की कुल हिस्सेदारी 70% है, जबकि पाउडर के रूप में धनिया ज्यादातर दक्षिण अफ्रीका, यूके और यूएसए को आपूर्ति की जाती है।

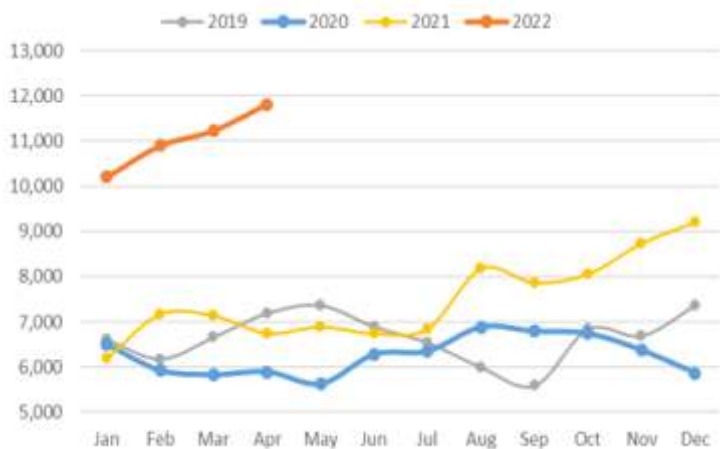
आउटलुक

- मसाला उद्योग की ओर से मांग के कारण आने वाले महीने में धनिया वायदा की कीमतों में तेजी बरकरार रहने की संभावना है। सबसे अधिक सक्रिय धनिया (मई) वायदा की कीमतों को 10275 के स्तर पर सपोर्ट और 12700 के स्तर पर रेजिस्टेंस है। हम उम्मीद करते हैं कि आने वाले हफ्तों में औद्योगिक और निर्यात मांग के कारण व्यापार अपने रेजिस्टेंस की ओर बढ़ जाएगा। मौसम के अनुसार, अप्रैल-मई के दौरान कीमतों में गिरावट हो सकती है क्योंकि नए सीजन में धनिया बाजार में आ रहा है। हमें उम्मीद है कि कीमतों में उच्च स्तर से कुछ दबाव रह सकता है, लेकिन हर गिरावट पर खरीदारी करने की सिफारिश की जाती है क्योंकि निर्यात मांग से कीमतों को मदद मिल सकती है।

धनिया का टेक्निकल स्तर

कॉन्ट्रैक्ट	स्टॉपलॉस 1	स्टॉपलॉस 2	मध्य	रेजिस्टेंस 1	रेजिस्टेंस 2
अप्रैल	9,680	10,210	10,740	11,270	11,800
मई	9,730	10,270	10,815	11,360	11,900

धनिया वायदा कीमतों में मासिक बदलाव चार्ट (%)



धनिया वायदा का मौसमी चार्ट

SEASONALITY CHART	Jan	Feb	Mar	Apr	May	Jun	Jul	Aug	Sep	Oct	Nov	Dec
2022	14.80%	7.94%	2.70%									
2021	-5.56%	13.97%	-1.00%	-5.04%	2.08%	-2.15%	1.63%	18.09%	-3.30%	2.72%	-5.92%	2.88%
2020	-5.28%	-8.86%	-1.80%	1.08%	-4.52%	11.56%	1.11%	9.83%	-2.61%	-0.74%	-5.52%	-7.97%
2019	3.97%	-6.48%	7.75%	7.93%	2.38%	-6.40%	-5.08%	-8.31%	-6.69%	22.27%	-2.19%	2.62%
2018	8.21%	-7.17%	-8.90%	-6.68%	-7.95%	8.38%	9.06%	-8.40%	2.98%	19.76%	11.10%	-1.78%
Avg	5.45%	0.28%	-0.21%	-0.68%	-2.00%	2.87%	1.68%	2.95%	-2.16%	11.00%	2.33%	-1.06%

वंदना भारती	एवीपी कमोडिटी रिसर्च	फोन न. 011-30111000 एक्सटें. 625	vandanabharti@smcindiaonline.com
रितेश कुमार साहु	सीनियर रिसर्च एनालिस्ट	फोन न. 011-30111000 एक्सटें. 674	riteshkumarsahu@smcindiaonline.com
शिवानन्द उपाध्याय	रिसर्च एसोसिएट	फोन न. 011-30111000 एक्सटें. 646	shivanand@smcindiaonline.com

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com



Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402 , 4th Floor ,
Graham Firth Steel Compound, Off Western
Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon
(East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटिड लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवाएं और संबंधित सेवाएं करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटिड लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एम्प्लॉयर्स ऑफ इंडिया लिमिटेड का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमिटेड नेशनल कॉमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कॉमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कॉमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएस स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य हैं। एसएमसी सीडीएसएल (CDSL) और एनएसडीएल (NSDL) के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है। एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेन्ट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड हैं। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एम्प्लॉयर्स (AMFI) में भी रजिस्टर्ड है।

एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटिड लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनालिस्ट) रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनालिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिन्डिकेटिड लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिन्डिकेटिड मार्केट/कॉमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नहीं किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनालिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हें सत्य माना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नहीं देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें। रिसर्च एनालिस्ट, जिन्होंने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कॉमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय हैं।

डिसक्लेमर: यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राधिकर्ता की व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नहीं है। यह केवल प्राइवेट सन्तुलन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विस्तृत सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नहीं और इस पर पूरी तरह भरोसा नहीं किया जाना चाहिए। रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नहीं किया जा सकता है। इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुनः वितरण नहीं किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नहीं करता या किसी खास निवेश उद्देश्य, वित्तीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉर्पोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नहीं चलता है। सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते हैं एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन को गारंटी नहीं देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसको (अ) समय-समय पर किसी भी कॉमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या विक्री, कोई भी पोषण हो सकती है और वह इस कॉमोडिटीज को खरीद या विक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कॉमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है। सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा।